बात मान ले गौरा प्यारी | By Ram Kuma Lakkha

बात मान ले गौरा प्यारी
ना तो फेर पछतावेगी
मेरी गेल्या ब्याह करवा के
बहुत घणी दु:ख पावेगी

ना तो मेरे महल चौबारे
ऊँचे ऊँचे खड़े पहाड़
पैर रपट के गिर जावेगी
तुड़वा बैठेगी कित नाड
घोर अँधेरा जंगल के वहां
शेर बघेरे मारे दहाड़
मेरे ते ब्याह करवा के ने
गल जावेगा गल में झाड़
ठंडी ठंडी हवा चले तो
जाड़े में घिर जावेगी
मेरी गेल्या ब्याह करवा के
बहुत घणी दु:ख पावेगी

मस्ती के वहां मस्त रहूं
ना ब्याह की करे भड़ास मेरे
तेरी मेरी जोड़ी बिलकुल
कोन्या आवे रास मेरे
सर पे मोड़ धरा के ने
मत डाले गल में फाँस मेरे
एक तो मैं दूजा मेरा नंदी
नहीं तीसरा पास मेरे
मने बता दे किस गैल्या
मने बता दे किस की गैल्या
बोलेगी बतलावेगी
मेरी गेल्या ब्याह करवा के
बहुत घणी दु:ख पावेगी

मेरे से ब्याह करवाना सुन
तेरे बस की बात नहीं
तन्ने मेहला में आराम करया
मेरे साथ कटे एक रात नहीं
मैं किस तरया से रया करूँ
वो देखे से हालात नहीं
में तो समझा समझा हार लिया
आगे मेरी औकात नहीं
कहे भीमसेन जो ना मानी तो
मोटा धोखा खावेगी
मेरी गेल्या ब्याह करवा के
बहुत घणी दु:ख पावेगी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%a4-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8-

%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%97%e0%a5%8c%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-ram-kuma-lakkha/